Be – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मार्ग तैयार करता है मत्ती
३:१-६; मरकुस १:२-६; लूका ३:३-६ | 1

– Save This Page as a PDF–

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मार्ग तैयार करता है मत्ती ३:१-६; मरकुस १:२-६; लूका ३:३-६

खोदाई: यदि आप जॉन के संदेश को एक शब्द में सारांशित कर सकते हैं, तो वह क्या होगा? स्वर्ग के राज्य शब्द का क्या अर्थ है? यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने बाद के दिनों के एलिय्याह की भविष्यवाणी की सेवकाई को कैसे पूरा किया? उसने येशु के लिए मार्ग कैसे तैयार किया? यूहन्ना कैसे कपड़े पहनता था, वह क्या खाता था, और इससे हमें उसके बारे में क्या पता चलता है? यूहन्ना की तैयारी की दोहरी सेवकाई क्या थी?

प्रतिबिंबः आपके जीवन में ”यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला” कौन रहा है? उसने आपको यीशु से मिलने के लिए कैसे तैयार किया? बाइबल पाप को कैसे परिभाषित करती है? आपको पश्चाताप करने में क्या लगता है? जब आप पाप करते हैं, तो क्या आप तुरन्त क्षमा माँगते हैं? या क्या आपके पाप के प्राकृतिक परिणामों को टूटने और पश्चाताप करने से पहले स्वर्ग तक ढेर करना पड़ता है? हम वास्तव में अपने पापों का पश्चाताप कैसे करते हैं?

पहली बार हमारे पास तीन समदर्शी सुसमाचारों के दृष्टिकोण से एक संदेश है। सिनोप्टिक शब्द दो ग्रीक शब्दों से आया है जिसका अर्थ है एक साथ देखना। इन तीन सुसमाचारों को समदर्शी सुसमाचार कहा जाता है क्योंकि इन्हें समानांतर स्तंभों में रखा जा सकता है, और उनकी सामान्य सामग्री को एक साथ देखा जा सकता है। सुसमाचार के लेखक एक ही कहानी को अपने स्वयं के अनूठे दृष्टिकोण या विषय से कहते हैं। यीशु ने जो किया उसमें मत्ती, मरकुस और लूका की अधिक दिलचस्पी थी; जबकि यूहन्ना यीशु की कही बातों में कहीं अधिक रुचि रखता था।

यूहन्ना अचानक प्रकट होता है जब वह बाइबल के पन्नों पर चलता है जैसे अचानक और रहस्यमय तरीके से एलिय्याह (प्रथम राजा १७:१) के रूप में, जिस पर जॉन के भविष्यवाणिय मंत्रालय के मत्ती के खाते का मॉडल तैयार किया जाएगा। उन दिनों में यूहन्ना आया, और यहूदिया के जंगल में प्रचार करता था (मत्तीयाहू ३:१)। जंगल शब्द आवश्यक रूप से सूखी, बंजर भूमि का उल्लेख नहीं करता है, बल्कि अनिवार्य रूप से निर्जन क्षेत्र का अर्थ है – खुला, जंगली क्षेत्र – देश के खेती वाले, बसे हुए क्षेत्रों के विपरीत। इस्राएल के भविष्यवक्ताओं ने जंगल में एक नए पलायन की भविष्यवाणी की थी (होशे २ :१४-१५; यशायाह ४०:३). वहाँ, वह बड़ी भीड़ को सुरक्षित रूप से खींच सकता था (नीचे देखें मत्ती ३:५; मरकुस १:५a) और इसने उसे सार्वजनिक

Be – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मार्ग तैयार करता है मत्ती
३:१-६; मरकुस १:२-६; लूका ३:३-६ | 2

बपतिस्मा के लिए सर्वोत्तम स्थान प्रदान किया जिसने यरूशलेम में धार्मिक नेताओं के अधिकार को चुनौती दी। इस प्रकार, यूहन्ना का स्थान एक नए निर्गमन के आने का प्रतीक है, मोक्ष का अंतिम समय, और वह मूल्य जो ईश्वर के एक सच्चे भविष्यवक्ता को अपने कॉल के लिए भुगतान करने के लिए तैयार होना चाहिए: समाज के सभी मूल्यों से पूर्ण बहिष्कार – इसकी सुख-सुविधाएं, स्थिति , मूलभूत आवश्यकताएं भी (पहले राजा १३:८-९, २०:२७; यशायाह २०:२; यिर्मयाह १५:१५-१८, १६:१-९; पहेला कुरिन्थियों ४:८-१३)।

उन दिनों अध्याय २ और ३ के बीच एक संक्रमण के रूप में कार्य करता है। यह एक सामान्य साहित्यिक वाक्यांश था, जो उस सामान्य समय को दर्शाता है जिसमें घटनाओं का वर्णन किया जा रहा है। यूसुफ को शिशु यीशु और उसकी माँ को नासरत ले जाने और यूहन्ना की सार्वजनिक सेवकाई की शुरुआत के बीच लगभग तीस साल बीत चुके थे। तत्काल संचार के इन दिनों में हम यह नहीं समझ सकते हैं कि यूहन्ना को येशु को व्यक्तिगत रूप से जानने का अवसर क्यों नहीं मिलना चाहिए था। यह संभव है कि जकारिया और यूसुफ दोनों की मृत्यु तब हुई जब जॉन और यीशु काफी छोटे थे, और यदि ऐसा है तो तीस वर्षों के एक बड़े हिस्से के दौरान उनके अलग होने का कारण हो सकता है। फिर भी, उन दिनों नब्बे मील की यात्रा कोई छोटी यात्रा नहीं थी और मरियम जैसे बड़े परिवार की ज़िम्मेदारी ने वृद्ध एलिजाबेथ से मिलना मुश्किल कर दिया था, जिसे मरियम ने अपने युवा दिनों में काफी आसान माना था। न ही हम यह जानते हैं कि एलिशेवा कई वर्षों तक जीवित रहा या नहीं, क्योंकि जॉन के जन्म के बाद उसका नाम शास्त्रों से गायब हो गया।

यूहन्ना येशु का चचेरा भाई था, जो उससे ठीक छह महीने पहले पैदा हुआ था (लूका १:५६-५७)। उसके नाम का अर्थ है कि परमेश्वर दयालु है, जो उस व्यक्ति का उपयुक्त वर्णन है जो राजा मसीहा का मार्ग तैयार करेगा। यूहन्ना का आंदोलन इश्वर के पीछे चाले आंदोलन था। उनके संदेश का वह हिस्सा जो एक चिंगारी था जिसने फिलिस्तीन को प्रज्वलित किया, वह घोषणा थी कि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है। और योचनन का बपतिस्मा उस राज्य-केन्द्रित आंदोलन के साथ स्वयं की पहचान कराने के लिए था।

यूहन्ना का संदेश इतना सरल था कि इसे आसानी से एक

Be – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मार्ग तैयार करता है मत्ती
३:१-६; मरकुस १:२-६; लूका ३:३-६ | 3

शब्द में सारांशित किया जा सकता है: पश्चाताप। पश्चाताप के पीछे ग्रीक शब्द मेटानोयो का अर्थ पछतावे या दुःख से अधिक है (इब्रानियों १२:१७); इसका अर्थ है मुड़ना, दिशा बदलना, मन और इच्छा को बदलना। यह केवल किसी भी यादृच्छिक परिवर्तन को संदर्भित नहीं करता है, बल्कि हमेशा गलत से सही, पाप से दूर और धार्मिकता में परिवर्तन को संदर्भित करता है। हाँ, पश्चाताप में पाप के लिए दुःख शामिल है, परन्तु यह एक ऐसा दुःख है जो सोच, इच्छा और आचरण में परिवर्तन की ओर ले जाता है (दूसरा कुरिन्थियों ७:१०)। वास्तव में, यूहन्ना की मन फिराने की आज्ञा का अनुवाद परिवर्तित किया जा सकता है।

मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है (मत्ती ३:२)। लोगों को पश्चाताप करने और परिवर्तित होने की आवश्यकता थी क्योंकि राजा और उसका राज्य पहले से ही मौजूद थे। आने के लिए ग्रीक शब्द, इंजीकेन, पूर्ण काल में है और इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि राज्य पहले से ही मौजूद है, न कि अभी रास्ते में है। मरकुस १:१५ में इसी वाक्यांश का प्रयोग किया गया है जब यीशु ने सुसमाचार की घोषणा की, वह भी पूर्ण काल में: समय आ गया है। परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है। पश्चाताप और विश्वास वह अच्छी खबर है। राज्य की वर्तमान वास्तविकता को और अधिक समर्थन मिलता है जब मत्तित्याहू हमें बताता है कि कुल्हाड़ी पहले से ही पेड़ों की जड़ पर है, और हर पेड़ जो अच्छा फल नहीं देता है उसे काटकर आग में फेंक दिया जाएगा (मत्ती ३:१०)।

कुछ आधुनिक टीकाकारों ने मत्ति द्वारा स्वर्ग के राज्य शब्द के प्रयोग पर सवाल उठाया है। कुछ लोग यह भी आश्चर्य करते हैं कि क्या मत्ती का एक अलग, आत्मिक राज्य के बारे में बोलना अन्य सुसमाचार लेखकों द्वारा बताए गए सांसारिक राज्य (परमेश्वर के राज्य) से अलग है। मत्ति के दृष्टिकोण से, उत्तर सरल है। एक पारंपरिक यहूदी के रूप में एक यहूदी दर्शकों के लिए लिखना, परमेश्वर के पवित्र नाम (YHVH) के उच्चारण या लिखने से बचना आम होगा। जैसा कि तल्मूड स्पष्ट करता है, “अभयारण्य में नाम का उच्चारण लिखित रूप में किया गया था, लेकिन इसके दायरे से परे एक प्रतिस्थापित नाम नियोजित किया गया था” (ट्रैक्टेट सोताह VII.6)। यहूदी समुदाय में आज भी एक सामान्य समाधान YHVH के स्थानापन्न शब्दों का उपयोग करना है जैसे कि आदोनाइ (LORD) या हसेम्म (नाम)। तल्मूडिक लेखन में हम अक्सर शमायिम या स्वर्ग शब्द को परमेश्वर के नाम के विकल्प के रूप में पाते हैं क्योंकि यह पूरे ब्रह्मांड को संदर्भित करता है जिसे उसने बनाया है। जब मत्ती स्वर्ग के राज्य शब्द का उपयोग करता है, तो वह किसी दूसरे राज्य की बात नहीं कर रहा है, बल्कि सृष्टिकर्ता को संदर्भित करने के लिए एक बहुत ही यहूदी तरीके का उपयोग कर रहा है।

पहली शताब्दी के यहूदी दिमाग के लिए स्वर्ग के राज्य की अभिव्यक्ति परमेश्वर की व्यक्तिगत स्वीकृति के बराबर थी। इसका अर्थ था, सबसे पहले, स्वयं को “राज्य का जूआ” और फिर, परिणाम स्वरूप, आज्ञाओं को लेना। तदनुसार, प्रार्थना: शमा,

Be – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मार्ग तैयार करता है मत्ती
३:१-६; मरकुस १:२-६; लूका ३:३-६ | 4

यिस्राएल अडोनाई एलोहेनीउ, अदोनै ईचद, या हियर इस्राइल द परमेश्वर [है] हमारा इश्वर, अकेला परमेश्वर (व्यवस्थाविवरण ६:४a) व्यवस्थाविवरण ११:१३ की नसीहत से पहले आता है: इसलिए … मेरी आज्ञाओं [आज्ञाओं] को ध्यान से सुनो जो मैं आज तुम्हें दे रहा हूं, [और] प्यार अपने ईश्वर को स्वीकार करें और अपने पूरे सुनने और अपने पूरे अस्तित्व के साथ उसकी सेवा करें। और इस अर्थ में, आज शमा की पुनरावृत्ति को अक्सर रूढ़िवादी यहूदियों द्वारा स्वयं को “राज्य का जूआ” लेने के रूप में देखा जाता है। इसी तरह, तावीज़ पहनना, और हाथ धोना (Ei देखें – मौखिक नियम), को भी अपने ऊपर “स्वर्ग के राज्य का जूआ” लेने के रूप में देखा जाता है।

यूहन्ना एक ऐसा व्यक्ति था जो अपने संदेश को जीता था, लेकिन उसकी इच्छा नहीं थी कि हर कोई उसके जैसा जीवन व्यतीत करे। उसने ऐसा करने के लिए प्रेरितों सहित किसी को भी नहीं बुलाया। लेकिन उनका जीने का तरीका उन कई प्यारों और सुखों की एक ज्वलंत याद दिलाता था जो लोगों को परमेश्वर के लिए अपने तरीके बदलने से रोकते थे।

उन्हें दिया गया द्वितीयक शीर्षक बैपटिस्ट है, इसलिए नहीं कि वे बैपटिस्ट संप्रदाय के सदस्य थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने यहूदी धर्म के संदर्भ में अनुष्ठानिक बपतिस्मा या विसर्जन किया था। हिब्रू में उन्हें इमर्सर या हा- मैटबिल कहा जाता है, जिसे यूनानियों ने बैप्टिड्ज़ो कहा, जिसका अर्थ है पूरी तरह से विसर्जित करना या डुबकी लगाना। धर्मनिरपेक्ष उपयोग में, शब्द का प्रयोग अक्सर कपड़े के एक टुकड़े को डाई में डुबाने की प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए किया जाता है ताकि इसकी उपस्थिति बदल सके। शायद सबसे अच्छा शब्द पहचान है, क्योंकि तब कपड़े की पहचान डाई के रंग से की जाएगी। यह हमें विसर्जन का अर्थ देता है। बपतिस्मा संदेश की किसी विशेष घटना के साथ पहचान करने के लिए पूर्ण विसर्जन है। निश्चित रूप से जार्डन नदी येशुआ को बपतिस्मा देने के लिए कोषेर स्थान के रूप में काम करेगी, क्योंकि इसमें ताजे पानी की न्यूनतम आवश्यकता से अधिक होगा।

यूहन्ना किस प्रकार के बपतिस्मा का उपयोग करता है, इस पर बहस करने की आवश्यकता नहीं है। धर्मांतरित अन्यजाति को मिकवे में डुबोया जाता था, जिसका शाब्दिक अर्थ है पानी का जमावड़ा। यह यहूदी कानून में अनुष्ठान विसर्जन के लिए इस्तेमाल किया गया था। रब्बियों ने सिखाया कि यहूदी धर्म में परिवर्तित होने पर पुरुषों और महिलाओं दोनों को विसर्जन की आवश्यकता होती है। यहूदी बपतिस्मा उम्मीदवारों को अक्सर तीन बार डुबोया जाता था क्योंकि मिकवेह शब्द तोराह में तीन बार आता है। पूर्ण निमज्जन का विचार लैव्यव्यवस्था १५:१६ (CJB) से आता है, जहां यह कहा गया है: यदि किसी व्यक्ति का वीर्य स्राव होता है, तो उसे अपने पूरे शरीर को पानी में स्नान करना चाहिए; वह साँझ तक अशुद्ध रहेगा। रैबिनिक साहित्य में विसर्जन की अवधारणा को एक नए जन्म के रूप में संदर्भित किया गया है (एब. २२a; ४८b; ९७b; मास. गेर. c.ii)।

Be – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मार्ग तैयार करता है मत्ती
३:१-६; मरकुस १:२-६; लूका ३:३-६ | 5

मानो इस बात को साबित करने के लिए कि यूहन्ना किसी दूसरे राज्य या नए धर्म की बात नहीं कर रहा था, सुसमाचार लेखक यहूदियों द्वारा अच्छी तरह से ज्ञात एक भविष्यवाणी को उद्धृत करते हैं कि कोई आएगा जो मसीहा के लिए रास्ता तैयार करेगा। यह लिखा है (मरकुस १:२a), या गेग्राप्टाई, पूर्ण काल में है, अतीत में पूर्ण किए गए कार्य की बात कर रहा है, लेकिन निरंतर परिणाम दे रहा है। यहाँ इसका उपयोग इस तथ्य पर जोर देने के लिए किया गया है कि तानाख न केवल पीढ़ी दर पीढ़ी पहली शताब्दी को सौंपा गया था, बल्कि यह कि परमेश्वर ने जो कहा, उसका यह एक स्थायी रिकॉर्ड था। यह, भजनकार की भाषा में, हमेशा के लिए स्वर्ग में बसा हुआ है (भजन संहिता ११९:८९)।

यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा: मैं अपके दूत को तेरे आगे आगे भेजूंगा, जो तेरा मार्ग सुधारेगा (मरकुस १:२b)। यही कारण है कि नई वाचा कहीं और पुष्टि करती है कि यूहन्ना ने बाद के दिनों के एलिय्याह की भविष्यद्वाणी की सेवकाई को पूरा किया, जो अंत के दिनों का सूत्रपात करेगा (प्रकाशित वाक्य Bw पर मेरी टिप्पणी देखें – देखो, यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहले, मैं तुम्हारे पास भविष्यद्वक्ता एलिय्याह को भेजूंगा)। उनका संदेश प्रभावी था क्योंकि उन्होंने लोगों को बताया कि वे उनके दिल में क्या जानते हैं, और उन्होंने उन्हें उनकी आत्मा की गहराई में वह दिया जिसकी वे प्रतीक्षा कर रहे थे। रब्बियों ने सिखाया कि यदि इस्राएल एक दिन के लिए पूरी तरह से टोरा का पालन करेगा तो परमेश्वर का राज्य आ जाएगा। जब यूहन्ना ने लोगों को पश्चाताप करने के लिए बुलाया तो वह उनके सामने एक विकल्प और एक निर्णय के साथ सामना कर रहा था जिसे वे अपने दिल के दिल में जानते थे जिसे उन्हें बनाने की आवश्यकता थी।

एक आवाज; ग्रीक पाठ में कोई निश्चित लेख नहीं है। यूहन्ना ने आवाज होने का दावा किया, आवाज नहीं। जिसके लिए उसने तैयार किया वह परमेश्वर का पुत्र था, अद्वितीय पुत्र, स्वयं, वही परमेश्वर। एक बुलाहट का, बोआओ, जिसका अर्थ है जोर से चिल्लाना, जंगल में ऊंची, मजबूत आवाज के साथ बोलना। क्लासिक ग्रीक में केलियो का मतलब एक उद्देश्य के लिए रोना था। लेकिन बोआओ का अर्थ भावना की अभिव्यक्ति के रूप में चिल्लाना है। यह दिल से निकला, और दिल को संबोधित किया। मैं यहूदिया के जंगल में पुकारने वाला शब्द हूं। प्रभु का मार्ग सीधा करो (योचन १:२३)। जो चिल्ला रहा था वह यहोवा था। जॉन उनका मुखपत्र था। यूहन्ना द्वारा इस्राएल को उपदेश देने के पीछे इस्राएल के परमेश्वर की अपने चुने हुए लोगों के लिए अनन्त लालसा थी (यशायाह ६५:९)।

यहोवा के लिये मार्ग तैयार करो, उसके लिये सीधे मार्ग बनाओ (मत्तीयाहू ३:३; मरकुस १:३; लूका ३:४)। सीधा करना यह कहने का एक काव्यात्मक तरीका है, आसान बनाओ। जब एक राजा रेगिस्तान में यात्रा करता था, तो उसके आगे-आगे काम करने वाले लोग मलबे को साफ करते थे और उसकी यात्रा को आसान बनाने के लिए सड़कों को चिकना करते थे। यहाँ, भूमि को समतल करना और येशु के लिए सीधे रास्ते बनाना एक आलंकारिक

Be – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मार्ग तैयार करता है मत्ती
३:१-६; मरकुस १:२-६; लूका ३:३-६ | 6

अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि मसीहा का मार्ग आसान हो जाएगा क्योंकि बड़ी संख्या में लोग यीशु के संदेश को प्राप्त करने के लिए तैयार थे (लूका १:१७)। क्रिया बनाना अनिवार्य है, लगातार पालन करने के लिए एक आदेश जारी करना। यह इस्राइल के साथ एक आदत होनी चाहिए, एक निरंतर रवैया, एक औपचारिक, अचानक स्वागत नहीं और वह वहीं पर चला गया! लेकिन एक ऐसा स्वागत जो बार-बार बढ़ेगा, एक आदतन स्वागत जो हृदय की स्वाभाविक अभिव्यक्ति होगी।

भविष्यद्वक्ताओं के उद्धरणों को जोड़ना आम था, यह मलाकी ३:१ का एक उद्धरण है जो यशायाह ४०:३ में पेश किया गया है और फिर यशायाह ४०:५ में संदेशवाहक की पहचान एलियाह के साथ की गई है (देखें Ak – जॉन द बर्थ ऑफ जॉन द बैपटिस्ट भविष्यवाणी) और यशायाह ४०:३ संदर्भ यह है कि यहूदी बाबुल में हैं और एक है जो लोगों को बंधुआई से बाहर ले जाने के लिए स्वयं यहोवा के लिए मार्ग तैयार करेगा। यशायाह का उद्धरण दोनों में से अधिक महत्वपूर्ण है। यूहन्ना का उपदेश प्रारंभिक मसीहाई समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण था और शुरुआत में यह बताया गया कि यूहन्ना पहले आया था (प्रेरितों के काम १:२१-२२; १०:३७; १९:४)।

लुका अन्य दो सुसमाचार लेखकों से परे उद्धरण जारी रखता है, कह रहा है: हर घाटी भर दी जाएगी, हर पहाड़ और पहाड़ी को नीचा कर दिया जाएगा, शाब्दिक रूप से विनम्र। यह पहले लूका १:५२ में और बाद में लूका १४:११ और १८:१४ में वर्णित अभिमानियों के दीन होने को संदर्भित करता है। इन छंदों में चित्रों को एक रूपक या पश्चाताप के चित्र के रूप में देखा जाना चाहिए। टेढ़ी सड़कें सीधी और उबड़-खाबड़ रास्ते चिकने हो जाएंगे (लूका ३:५)। यह भ्रष्ट पीढ़ी के लिए प्रेरितों के काम २:४० का भ्रम हो सकता है, शाब्दिक रूप से कुटिल। ल्यूक, जॉन की तरह, समझ गया कि पश्चाताप खुशखबरी/ सुसमाचार के केंद्रीय मूल का हिस्सा है। और सभी लोग परमेश्वर के उद्धार को देखेंगे (लूका ३:६)। सुसमाचार की यह अवधारणा दुनिया के सबसे दूर के हिस्सों में जा रही है क्योंकि यह एक सार्वभौमिक संदेश है।

यूहन्ना शायद मलाकी और यशायाह की भविष्यवाणियों के बारे में जानता था क्योंकि उसने एलिय्याह भविष्यद्वक्ता के समान कपड़े पहने थे (दूसरा राजा १:८)। यूहन्ना ने ऊँट के बालों से बने वस्त्र पहने थे (मत्ती ३:४a; मरकुस १:६a), जो भविष्यवक्ताओं द्वारा पहने जाने वाले टाट के समान था जब वे न्याय के संदेश के साथ शोक में प्रकट हुए थे। यूहन्ना का पहनावा, भोजन, और जीवन-शैली ही अपने आप में यरूशलेम में आत्म-संतुष्ट और आत्मसंतुष्ट धार्मिक अगुवों के विरुद्ध अभियोग था। ऐसा लगता है कि यह खुरदरा वस्त्र एक भविष्यद्वक्ता की विशेषता रहा है (जकर्याह १३:४)। यूहन्ना महायाजक के शानदार कमरबंद (निर्गमन २८:८) के साथ नहीं आया था, बल्कि उसकी कमर के चारों ओर एक साधारण चमड़े की पेटी के साथ आया था, जो हमें एलिय्याह की याद भी दिलाता है (दूसरा राजा १:८)। एलिय्याह के साथ यूहन्ना की वास्तविक पहचान मत्ती द्वारा ११:१४ तक नहीं की गई है, लेकिन यह निश्चित रूप से यहाँ निहित है।

Be – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मार्ग तैयार करता है मत्ती
३:१-६; मरकुस १:२-६; लूका ३:३-६ | 7

लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यूहन्ना सदियों से चली आ रही भविष्यद्वाणी की चुप्पी को तोड़ने का प्रतीक है जिसे स्वयं यहूदियों ने पहचाना था (प्रथम मकाबीज़ ४:४६, ९:२७, १४:४१)। यहाँ फिर एक नई बात है: खामोशी से निकली प्रभु की आवाज, इसकी शक्ति और संदेश के साथ-साथ इसके असामान्य संदेशवाहक द्वारा पुष्टि की गई। परमेश्वर की प्रजा इस्राएल के मध्य में फिर से भविष्यवाणी प्रकट हुई।

यूहन्ना की जीवनशैली उनके संदेश की कठोरता से मेल खाती थी। यूहन्ना का भोजन याजक का नहीं था। याजकों ने बलिदानों का मांस खाया। परन्तु यूहन्ना जंगल में जो कुछ देता था उस पर जीवित रहता था, उसका आहार टिड्डियां और बन मधु था (मत्तीयाहू ३:४b; मरकुस १:६b)। टिड्डियों को हिसाब से खाया जा सकता था कश्रुत, या आहार नियम, जैसा कि लेबी ११:२२ में देखा गया है, और तल्मूड में संवाद है जो कोषेर और अनकोशर टिड्डियों की विशेषताओं के बारे में बहुत विशिष्ट है (सीडी १२:१४-१५; ११Qमंदिर ४८:३-५; ट्रैक्टेट चुलिन ६५a-६६a)। यीशु के दिनों में टिड्डियाँ गरीबों का भोजन थीं। बेडौंस उन्हें आज तक पकाते और खाते हैं, जैसा कि ऑपरेशन फ्लाइंग कार्पेट से पहले यमन के यहूदियों ने १९५० में उस समुदाय को इज़राइल से हटा दिया था। यहां वर्णित जंगली शहद शायद खजूर का शहद था, क्योंकि जेरिको के पास के मरुस्थल खजूर के उत्पादन के लिए जाने जाते हैं। तब भी और अब भी, और मधुमक्खियाँ जंगल में नहीं रहतीं। उसका आहार नाज़ीर के आहार के अनुकूल था। वह सरलता से जीते थे – जीवन के लिए केवल सबसे आवश्यक चीजों के साथ।

आपको दुनिया पर प्रभाव डालने के लिए दुनिया की तरह होने की जरूरत नहीं है। भीड़ को बदलने के लिए आपको भीड़ की तरह होने की जरूरत नहीं है। उन्हें अपने स्तर तक उठाने के लिए आपको खुद को उनके स्तर तक नीचे गिराने की जरूरत नहीं है। पवित्रता विषम होने की तलाश नहीं करती है। पवित्रता परमेश्वर के समान बनना चाहती है। जो कोई संसार का मित्र बनना चाहता है, वह परमेश्वर का शत्रु बन जाता है (याकूब ४:४)।

यह हमें बताता है कि यूहन्ना देश के सामान्य आर्थिक ढांचे के बाहर रहता था ताकि वह पूरी तरह से अपनी सेवकाई के प्रति समर्पित हो सके। परिणामस्वरूप, भीड़ यूहन्ना के पास आ रही थी, पश्चाताप कर रही थी और यरदन नदी में उससे बपतिस्मा ले रही थी। ऐसा करने से, वे उस चीज़ की पहचान कर रहे थे जो बप्तिस्मा देनेबाला ने प्रचार किया था और खुद को मसीहा की आसन्न वापसी के लिए तैयार कर रहे थे।

यह संभव है कि युहन्ना बप्तिस्मा देनेबाला एक एसेन था लेकिन हम निश्चित नहीं हो सकते। ऐसा लगता है कि यूहन्ना उनके संपर्क में आया था। वह निश्चित रूप से उनके बारे में जानता होगा। उन पर उनका क्या प्रभाव था, यह ज्ञात नहीं है। एस्सेन और कुमरान समुदाय का मूल शायद मैकाबीन काल के हसीदीम में था। माशी के समय वे तोराह के प्रति उत्साही थे और अग्रिम यूनानीवाद का विरोध करते थे। एक चरम तपस्वी, सांप्रदायिक समाज भिक्षुओं के रूप में रह रहा था, समाज से दूर खींच रहा था और

Be – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मार्ग तैयार करता है मत्ती
३:१-६; मरकुस १:२-६; लूका ३:३-६ | 8

विश्वास कर रहा था कि वे सच्चे, पवित्र इज़राइल हैं। वे अपने समुदायों में वापस चले गए, या तो शहरों के भीतर या पृथक स्थलों में, जैसे कुमरान जहां मृत सागर स्क्रॉल पाए गए थे। वहां वे आने वाले सर्वनाश युद्ध की प्रतीक्षा कर रहे थे, जब वे “प्रकाश के पुत्र” के रूप में “अंधेरे के पुत्र” पर विजय प्राप्त करेंगे। इसलिए भले ही वह किसी समय कुमरान समुदाय में रहा हो, जब उसे मसीहा का अग्रदूत होने के लिए बुलाया गया था, तो वह जंगल में चला गया।

उनके संदेश का हृदय आपके पापों से परमेश्वर की ओर मुड़ना था। यह समझना महत्वपूर्ण है कि यूहन्ना इस्राएल को एक नए धर्म में परिवर्तित होने के लिए नहीं बल्कि अपने विश्वास के स्रोत, इब्राहीम, इसहाक, और याकूब के परमेश्वर की ओर लौटने के लिए बुला रहा था। पहली सदी के यहूदी धर्म में समस्या एक दोषपूर्ण तोराह या मंदिर सेवा नहीं थी, लेकिन यह कि इतने सारे इस्राएली भगवान के साथ एक सच्चे आध्यात्मिक संबंध से दूर हो गए थे और एक दोषपूर्ण मानव निर्मित विकल्प के साथ बदल गए थे (देखे Ei– मौखिक कानून)।

उनके मंत्रालय के लिए उनकी जबरदस्त प्रतिक्रिया थी। और इस प्रकार यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला जंगल में दिखाई दिया। दिखाई देने वाला शब्द एक दूसरी अओरिस्ट क्रिया या गिनोमाई है, जिसका शाब्दिक अर्थ है बनना। यह यहाँ इतिहास के मंच पर यूहन्ना के प्रकट होने के लिए उपयोग किया गया है, और यह दिखाने के लिए उपयोग किया जाता है कि यह कोई छोटी वर्तमान घटना नहीं थी, बल्कि एक युग था, जो मानवजाति के साथ परमेश्वर के व्यवहार के एक नए युग की शुरुआत कर रहा था। वह यरदन के आस-पास के सारे देश में गया, और पापों की क्षमा के लिए मन फिराव के बपतिस्मे का प्रचार करता है (मरकुस १:४; लूका ३:३)।

एक अर्थ में, यूहन्ना के पास तैयारी की दो-स्तरीय सेवकाई थी। सबसे पहले वह रास्ता तैयार कर रहा था। यशायाह ४०:३ से यह स्पष्ट है, यहोवा के लिये मार्ग तैयार करो; हमारे परमेश्वर के लिये जंगल में सीधा राजमार्ग बनाओ। कल्पना एक शाही जुलूस और राजा के लिए एक रास्ता तैयार करने की है। लेकिन योचनन ने न केवल प्रभु के लिए मार्ग तैयार किया, उसने प्रभु के लिए लोगों को भी तैयार किया। वह इस्राएल के बहुत से लोगों को उनके परमेश्वर यहोवा के पास लौटा लाएगा। और वह एलिय्याह की आत्मा और सामर्थ्य में होकर यहोवा के आगे आगे चलेगा, कि पितरों का मन उनके पुत्रों की ओर फेर दे, और आज्ञा न माननेवालों का मन धर्मियों की बुद्धि की ओर फेर दे – और प्रभु के लिये एक योग्य प्रजा तैयार करे (लूका १:१)। १६-१७)।

लोग उसके पास गए। क्रिया, एकपोरुओमाई, अपूर्ण काल में है जो निरंतर कार्रवाई के लिए बोलती है और आंदोलन के व्यापक चरित्र को दर्शाती है। यहां क्या तस्वीर खींचती है। वे यरुशलेम और सारे यहूदिया और यरदन नदी के पूरे क्षेत्र से लगातार यूहन्ना के पास जाते रहे (मत्ती ३:५; मरकुस १:५a)। यरुशलम यर्दन नदी से कम से कम बीस मील और उससे लगभग चार हजार फीट ऊपर है। यहूदिया की ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों से

[illegible] (XVIII, [illegible]) [illegible]

[illegible]

[illegible] ([illegible] a) [illegible]

[illegible]

Be – यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मार्ग तैयार करता है मत्ती
३:१-६; मरकुस १:२-६; लूका ३:३-६ | 10

है। जब हम कहते हैं, “मैंने पाप किया है,” तो परमेश्वर को यह कहने का अवसर मिलता है, “मैं क्षमा करता हूँ।” यह वह नहीं है जो समान शर्तों पर यहोवा से मिलना चाहता है जो क्षमा की खोज करता है, लेकिन वह जो अपने आंसुओं के माध्यम से फुसफुसाता है: प्रभु मुझ पापी पर दया करें (लूका १८:१३b)।

पाप। हम एक ऐसे युग में रहते हैं जब बहुत से लोग नहीं जानते कि पाप क्या है। बाइबल हमें बताती है कि हर कोई जो पाप करता रहता है वह तोराह का उल्लंघन कर रहा है – वास्तव में, पाप तोराह का उल्लंघन है (पहला यूहन्ना ३:४)। टोरा को भगवान ने अपने लोगों को एक ऐसा जीवन जीने में मदद करने के लिए दिया था जो उनके अपने सर्वोत्तम हित के साथ-साथ पवित्र और उसे प्रसन्न करने वाला हो। तथाकथित प्रबुद्धता के युग में, दो या तीन शताब्दियों पहले, नैतिक सापेक्षतावाद की धारणा ने पश्चिमी समाज में अपनी पकड़ मजबूत करना शुरू कर दिया था। इससे यह विश्वास पैदा हुआ कि पाप की अवधारणा कोई मायने नहीं रखती। उन्होंने कहा कि कोई पाप नहीं है, केवल बीमारी, अपशकुन, गलतियाँ या किसी के पर्यावरण, वंशानुगत और जैविक इनपुट (पश्चिमी शब्दावली) या किसी के भाग्य या कर्म (पूर्वी शब्दावली) से बाहर काम करना। यह सांस्कृतिक सापेक्षवाद पाप की बाइबिल अवधारणा को नकारता है।

पाप क्या है, पाप करने का दंड क्या है, हम उस दंड से कैसे बच सकते हैं, हमारे पापों को कैसे क्षमा किया जा सकता है, और पाप की शक्ति से मुक्त एक पवित्र जीवन जीने के लिए पवित्रशास्त्र कई छंदों को समर्पित करता है, जो यहोवा और स्वयं को प्रसन्न करता है (रोमियों ५:१२-२१)। बाइबल यह भी बताती है कि हमें अपने पापों का पश्चाताप कैसे करना है: यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह विश्वासयोग्य और न्यायी है और हमारे पापों को क्षमा करेगा और हमें सब अधर्म से शुद्ध करेगा। यदि हम दावा करते हैं कि हमने पाप नहीं किया है, तो हम उसे झूठा ठहराते हैं और उसका वचन हमारे जीवन में नहीं है (पहला यूहन्ना १:९)।

उन्होंने यरदन नदी में उसके द्वारा निरन्तर बपतिस्मा लिया, बस्ताबिक रूप से नदी में रखा गया (मत्ती ३:६b; मरकुस १:५b)। लेकिन क्योंकि यूहन्ना ने अपने अनुयायियों को येशु की ओर इशारा किया था, इसलिए जल्द ही यूहन्ना ने अपने अनुयायियों में से अधिकांश को खो दिया, ठीक वैसे ही जैसे यीशु अंततः अपने अधिकांश लोगों को खो देंगे। उसे वही स्वागत मिलेगा जो परमेश्वर के कई भविष्यवक्ताओं को मिला था – उसे मौत के घाट उतार दिया जाएगा। याद रखें, जो दूत के साथ होता है वही राजा के साथ होता है। दुनिया भगवान की आवाज सुनना नहीं चाहती, खासकर जब वह आवाज न्याय की बात करती है। और यूहन्ना का संदेश बहुत मजबूत था।